

प्रेषक,

पी0सी0 शर्मा,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा मे,

निदेशक,
राजकीय नागरिक उड्डयन विभाग,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

परिवहन एवं नागरिक अनुभाग-2

देहरादून दिनांक : 14 मई, 2009

विषय- वित्तीय वर्ष 2009-10 के लेखानुदान के अंतर्गत आयोजनेत्तर पक्ष में अवचनबद्ध मदों की धनराशि की वित्तीय स्वीकृति निर्गत किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक प्रमुख सचिव, वित्त उत्तराखण्ड शासन के पत्र संख्या- 205(1)/xxvii(1)/2009 दिनांक 25-03-2009 की ओर आपका ध्यान आकृष्ट कते हुये मुझे यह कहने का निदेश हुआ है श्री राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 में प्रथम चार माह के लिये आयोजनेत्तर पक्ष में दिनांक 01-04-2009 से 31-07-2009 तक लेखानुदान द्वारा स्वीकृत अवचनबद्ध मद की धनराशि रु0 17306 हजार (रु0 एक करोड़ तिहत्तर लाख छः हजार मात्र) संलग्न विवरणानुसार आपके निर्वतन पर व्यय किये जाने हेतु रखे जाने की सहर्ष स्वीकृति निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं:-

(1) इस सम्बन्ध में व्यय करते समय बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका एवं उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति सेवानियमावली के प्राविधानों तथा मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर निर्गत आदेशों का अनुपालन किया जायेगा।

(2) स्वीकृति की जा रही धनराशि का दिनांक 31-03-2010 तक उपयोग कर लिया जायेगा जो धनराशि उक्त तिथि तक अवशेष रहेगी, उसे उक्त तिथि तक समर्पित कर दिया जायेगा।

(3) व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक हैं। स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण आवश्यक मदों पर किया जायेगा। व्यय उन्ही मदों में किया जायेगा जिसके लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है तथा मितव्ययता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर जारी किये गये समस्त शासनादेशों का कड़ाई से अनुपालन किया जायेगा।

(4) स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यावर्तन अन्य मदों में नहीं किया जायेगा मासिक व्यय तथा व्यय का विवरण बी0एम-8 एवं बी0एम0-13 पर प्रत्येक माह की 05 तारीख तक नागरिक उड्डयन विभाग/वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करें।

कमशः.....

(2)

(5) इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय व्ययक के अनुदान संख्या-24 के लेखाशीर्षक-3055-नागर विमानन-80-सामान्य-आयोजनेत्तर-003-प्रशिक्षण तथा शिक्षा-03-नागरिक उड़्डयन-00 के अन्तर्गत संलग्नक में उल्लिखित सुसंगत प्राथमिक ईकाइयों के नामे डाला जायेगा।

(6) स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के पत्र संख्या-205(1)/xxvii(1)/2009 दिनांक 25-03-2009 के प्राविधानों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुये ही किया जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-70/xxvii(2)/2009 दिनांक 14 मई, 2009 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

संलग्नक:-यथोपरि।

भवदीय

(पी0सी0 शर्मा)
प्रमुख सचिव।

संख्या : /iX/ /2009

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1- महालेखाकार (आडिट) उत्तराखण्ड (आडिट) वैभव पैलेस सी-1/105 इन्दिरानगर देहरादून।
- 2- महालेखाकार (ए एण्ड ई) उत्तराखण्ड (ए एण्ड ई) ओबेराय, मोटर्स, बिल्डिंग सहारनपुर रोड माजरा देहरादून।
- 3- प्रमुख सचिव, वित्त विभाग उत्तराखण्ड शासन।
- 4- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 5- वित्त अनुभाग-2
- 6 गार्ड फाईल।
- 7- एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर देहरादून।

आज्ञा से,

(विनोद शर्मा)
अपर सचिव।

शासनादेश संख्या- /ix/62/2009 दिनांक मई 2009 का संलग्नक।

अनुदान संख्या-24

लेखाशीर्षक-3053-नागर विमानन-80क्षमान्य-003-प्रशिक्षण तथा शिक्षा-03-नागरिक उड्डयन-00
(धनराशि हजार रुपये में)

क्र०सं०	मानक मद	बजट प्रविधान	आवंटित धनराशि
1.	07-मानदेय	33	33
2.	12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	50	50
3.	16-व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिये भुगतान	233	233
4.	18-प्रकाशन	83	83
5.	22-आतिथ्य व्यय बिषयक भत्ता आदि	7	7
6.	26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र	50	50
7.	29- अनुरक्षण	3333	3333
8.	31-सामग्री तथा सम्पूर्ति	6667	6667
9.	42-अन्य व्यय	6667	6667
10.	44-प्रशिक्षण व्यय	100	100
11.	45-अवकाश यात्रा व्यय	33	33
12.	46-कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर का क्रय	33	33
13.	47-कम्प्यूटर अनुरक्षण/तत्संबंधी स्टेशनरी का क्रय	17	17
	योग	17306	17306

(कुल योग रुपये एक करोड़ तिहत्तर लाख छः हजार मात्र)

(पी०सी०शर्मा)
प्रमुख सचिव